

प्रतभूत बॉण्ड

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में कुछ प्रमुख सामान्य बीमा कंपनियों जैसे न्यू इंडिया एश्योरेंस, SBI जनरल इश्योरेंस आदि ने [प्रतभूत बॉण्ड](#) जारी करने की अपनी योजना की घोषणा की है, लेकिन सहायक तत्त्वों की कमी के कारण कोई भी ऐसा करने में सक्षम नहीं है।

- वित्त मंत्रालय तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बीमा उद्योग को प्रतभूत बॉण्ड उत्पाद लॉन्च करने के लिये प्रेरित करने हेतु [भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण \(IRDAI\)](#) पर दबाव डाल रहे हैं।

प्रतभूत बॉण्ड:

- परिचय:**
 - एक प्रतभूत बॉण्ड को उसके सरलतम रूप में किसी अधिनियम के अनुपालन, भुगतान या प्रदर्शन की गारंटी के लिये एक लखित समझौते के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
 - यह **त्रि-पक्षीय समझौते** वाला एक विशेष बीमा है। प्रतभूत समझौते में तीन पक्ष होते हैं:
 - प्रधान:** वह पक्ष जो बॉण्ड खरीदता है तथा वादे के अनुसार कार्य करने का दायित्व लेता है।
 - प्रतभू:** बीमा कंपनी अथवा प्रतभूत कंपनी जो यह सुनिश्चित करती है कि प्रधान अपने दायित्वों को पूरा करेगा। यदि प्रधान वादे के अनुसार कार्य करने में विफल रहता है, तो प्रतभू अनुबंध के अनुसार होने वाले नुकसान के लिये उत्तरदायी है।
 - बाधयताकारी:** वह पक्ष जिसे प्रतभूत बॉण्ड की आवश्यकता होती है तथा अमूमन उसे लाभ मिलता है। अधिकांश प्रतभूत बॉण्ड में बाधयताकारी एक स्थानीय, राज्य अथवा संघीय सरकारी संगठन होता है।
 - बीमा कंपनी द्वारा** ठेकेदार की ओर से परियोजना प्रदान करने वाली इकाई को **प्रतभूत बॉण्ड प्रदान किया जाता है**।
 - इससे ठेकेदारों को **केवल बैंक प्रतभूतियों पर निर्भर हुए बनि** अपनी परियोजनाओं के वित्तीय समापन में सहायता मिलेगी।
- उद्देश्य:**
 - प्रतभूत बॉण्ड का प्राथमिक उद्देश्य आपूर्तिकर्त्ताओं और काम के ठेकेदारों के लिये अप्रत्यक्ष लागत को कम करते हुए विकल्प प्रदान करना तथा बैंक गारंटी के प्रतस्थापन के रूप में कार्य करना है।
- लाभ:**
 - प्रतभूत बॉण्ड लाभार्थी को उन कार्यों या घटनाओं से बचाते हैं जो मूलधन के अंतरनिहित देनदारियों को खतरे में डालते हैं।
 - वे निर्माण कार्य अथवा सेवा अनुबंधों से लेकर लाइसेंसिंग और वाणिज्यिक उपकरणों तक **वभिन्न प्रकार के ज़मिंदारियों के प्रदर्शन की गारंटी प्रदान करते हैं**।

अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को गत प्रदान करने में भूमिका:

- यह बॉण्ड प्रतभूत अनुबंधों के लिये दिशानिर्देश स्थापित करने के नरिणय, **बुनियादी ढाँचा क्षेत्र की तरलता और वित्तपोषण आवश्यकताओं का समाधान करने में सहायता** करेगा।
- यह बड़े, मध्यम और छोटे ठेकेदारों के लिये समान अवसर प्रदान करेगा।**
- प्रतभूत बीमा व्यवसाय निर्माण परियोजनाओं के लिये बैंक गारंटी का विकल्प प्रदान करने में सहायता करेगा।
- इससे **कार्यशील पूंजी का कुशल उपयोग संभव हो सकेगा और निर्माण कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली संपार्ष्विक संपत्तियों की आवश्यकता कम हो जाएगी।**
- जोखिम संबंधी जानकारी साझा करने हेतु बीमाकर्त्ता वित्तीय संस्थानों के साथ मलिकर काम करेंगे।
 - इसलिये यह जोखिम पहलुओं पर समझौता किये बनि बुनियादी अवसंरचना के क्षेत्र में तरलता लाने में सहायता करेगा।

प्रतभूत बॉण्ड से संबंधित मुद्दे:

- एक नई अवधारणा के रूप में **प्रतभूत बॉण्ड काफी जोखिम भरा होता है और भारत में बीमा कंपनियों को अभी तक ऐसे व्यवसाय में जोखिम मूल्यांकन में विशेषज्ञता हासिल नहीं हुई है।**

- इसके अलावा मूल्य निर्धारण, डफॉल्टिंग टेकेदारों के वरिद्ध उपलब्ध सहायता और पुनर्बीमा वकिलों पर कोई स्पष्टता नहीं है।
 - ये काफी महत्त्वपूर्ण विषय हैं और प्रतभूति से संबंधित विशेषज्ञता एवं क्षमताओं के निर्माण में बाधा डाल सकते हैं तथा अंततः बीमाकर्त्ताओं को इस व्यवसाय में प्रवेश करने से रोक सकते हैं।
- प्रतभूति बॉण्ड को व्यापक पुनर्बीमा समर्थन की आवश्यकता होती है और कोई भी प्राथमिक बीमाकर्त्ता उचित पुनर्बीमा बैकअप के बिना कोई पॉलिसी जारी नहीं कर सकता है।
- भारत में प्रतभूति बॉण्ड जारीकर्त्ता को त्रपिक्षीय अनुबंधों को कानूनी रूप से लागू करने की स्थिति में होना चाहिये जो अनुपालन, भुगतान या प्रदर्शन की गारंटी देते हैं।
 - भारतीय अनुबंध अधिनियम और **दवाला एवं दवालयिपन संहिता** अभी तक वित्तीय ऋणदाताओं के समान बीमाकर्त्ताओं के अधिकारों को मान्यता नहीं देती है तथा इस प्रकार बीमा कंपनियों के पास किसी भी डफॉल्ट के मामले में बैंकों की तरह वसूली का सहारा नहीं है।

UPSC सविलि सेवा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में देखे जाने वाले 'आईएफसी मसाला बॉण्ड' के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. अंतरराष्ट्रीय वित्त नगिम, जो इन बॉण्डों की पेशकश करता है, विश्व बैंक की एक शाखा है।
2. वे रुपए में मूल्यवर्ग के बॉण्ड हैं और सार्वजनिक एवं नजी क्षेत्त्र के लिये ऋण वित्तपोषण का एक स्रोत हैं।

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही

उत्तर:(c)

??????????:

प्रश्न. वित्तीय संस्थानों व बीमा कंपनियों द्वारा की गई उत्पाद विविधता के फलस्वरुप उत्पादों व सेवाओं में परस्पर व्यापन ने सेबी(SEBI) व इरडा (IRDA) नामक दोनों नयामक अभिकरणों के वलिय के प्रकरण को प्रबल बनाया है, औचित्य सिद्ध कीजिये। (2013)